



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 130]

नई दिल्ली, सोमवार अप्रैल 25, 1977/वैशाख 5, 1899

No. 130]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 25, 1977/VAISAKHA 5, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(Department of Food)

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th April 1977

G.S.R. 192(E).—In exercise of the powers conferred by section 44 of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Food Corporations Rules, 1965, namely:—

1 (1) These rules may be called the Food Corporation (Amendment) Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Food Corporations Rules, 1965, after sub-rule (1) of rule 3, the following provisos shall be inserted, namely:—

"Provided that if an officer of the Government is appointed on deputation as Chairman, the term of office in his case shall not extend beyond the age of superannuation of fifty-eight years:

Provided further that nothing contained in the foregoing proviso shall affect the term of office of a person who has been holding the post of Chairman immediately before the commencement of the Food Corporations (Amendment) Rules, 1977."

[No. F. 4-16/75 Fc.L.]

L. C. GUPTA, Jt. Secy.

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 1977

सा० का० नि० 192(अ).—केन्द्रीय सर 17, खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 44 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, खाद्य निगम नियम, 1965 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् —

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य निगम (संशोधन) नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. खाद्य निगम नियम, 1965 में, नियम 3 के उपनियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् —

“परन्तु यदि सरकार का कोई अधिकारी प्रतिनियुक्ति पर अध्यक्ष नियुक्त किया जाता है तो उसके मामले में पदावधि अट्ठावन वर्ष की अधिवृत्ति की आयु में आगे नहीं बढ़ाई जाएगी :

परन्तु यह और कि पूर्ववर्ती परन्तुक में अन्तर्विष्ट किसी बात का ऐसे व्यक्ति की पदावधि पर कोई प्रभाव नहीं होगा जो खाद्य निगम (संशोधन) नियम, 1977 के प्रारम्भ होने के तुरन्त पूर्व अध्यक्ष का पद धारण करता रहा है।”

[स० का० 4-16/75-ख० नि०-I]

एल० सी० गुप्त, सयुक्त सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियन्त्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977